अमित सीड्स,खण्डवा (म.प्र.)

कार्यस्थल का पता -: ग्राम टाकलीमोरी,इंदौर रोड,खण्डवा (म.प्र.)

E-Mail- amitseeds@gmail.com

रबी गेहू एवं चना उत्पादन कृषि कार्यमाला

क्र.	फसल	क़िस्म	पकने की अवधि (दिनों में)	बोने की समयावधि	उपज (क्विंटल/एकड)	अनुकूल क्षेत्र
1	गेहूँ (Wheat)	LOK-1	110-115	10 नव. - 25 नव.	15-20	म.प्र., छ.ग.,महाराष्ट्र,गुजरात,राज स्थान,तेलंगाना,कर्नाटक
2	गेहूँ (Wheat)	HI-1544 (पूर्णा)	110-115	10 नव. - 25 नव.	15-20	म.प्र., छ.ग.,महाराष्ट्र,गुजरात,राज स्थान,तेलंगाना,कर्नाटक
3	चना (Gram)	JAKI-9218	95-105	20 अक्टू. - 05 नव.	16-20 / हैक्ट.	म.प्र., छ.ग.,महाराष्ट्र,गुजरात,राज स्थान,तेलंगाना,कर्नाटक
4	चना (Gram)	RVG-202	100-110	20 अक्टू. - 05 नव.	16-20 / हैक्ट.	म.प्र., छ.ग.,महाराष्ट्र,गुजरात,राज स्थान,तेलंगाना,कर्नाटक

1) बुवाई का उचित समय-: जब दैनिक औसत तापमान 23 डिग्री के आसपास हो तो बुवाई के लिए उपयुक्त समय रहेगा !

किस्म अनुसार टेबल में दर्शाई गयी किस्मो को समयावधि में बुवाई करना उपयुक्त होगा !

2) बीज दर -: सामान्य तौर पर गेहूँ में छोटे दाने वाली क़िस्म के लिए 40 किलो प्रति एकड और बड़े दाने वाली किस्मों के लिए

40-45 किलो प्रति एकड़ बोना चाहिए,चने कि बुवाई 30 किलो प्रति एकड़ बोना चाहिए !

3) बीज उपचार -: बीज को थायरम की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो से उपचारित करने के बाद 200 ग्राम प्रति किलो की दर से

एजेंटोबेक्टर बीज में मिलाकर बुवाई करना उपयुक्त होगा !

4) उर्वरक की मात्रा -: मिट्टी की जांच के उपरान्त उर्वरक की मात्रा निर्धारित करे ! 48 किलो नाइट्रोजन,24 किलो फास्फोरस

12 किलो पोटाश एवं 10 किलो जिंक सल्फेट प्रति एकड़ लाभदायक रहेगा ! (फसलनुसार खाद की मात्रा ऊपर नीचे हो सकती है !

5) बुवाई की विधि -: बीज को सदैव कतारों में बोना चाहिए ! दो कतारों के बीच 20-30 से.मी.रखें ! जहाँ तक संभव हो सीडड्रिल

से बुवाई करे ! बीज को अधिक गहरा न बोयें ! गेहूँ की बुवाई 4-5 से.मी.एवं चने की बुवाई 3-6 से.मी. की गहराई तक रखें !

6) सिंचाई -: सिंचाई की उपलब्धता एवं फसल की अवस्था अनुसार सिंचाई करें ! बोनी के 20 दिन बाद पहली सिंचाई अत्यंत

महत्वपूर्ण है ! इसके बाद प्रत्येक 20-22 दिन के अंतराल पर आवश्यकता अनुसार 4-6 से.मी. सिंचाई करें !

7) खरपतवार नियंत्रण -: खेत को खरपतवार मुक्त रखना आवश्यक है ! हाथ से निराई-गुड़ाई करके या फिर रासायनिक खरपतवार नियंत्रण के लिए स्थानीय कृषि अधिकारी वैज्ञानिक की अनुशंसा अनुसार खरपतवार नाशक दवाई का उपयोग करे !

8) कटाई व गहाई -: गेहूँ एवं चने की कटाई हमेशा 14-18% नमी होने पर उपयुक्त रहेगा ! खेत में फसल की माली माटी सूखने पर ही कटाई करे !

9) भंडारण -: भंडारण करते समय दानों में नमी 10-12% के बीच रहे,भंडारण में कीट प्रकोप से बचा रहे ! गेहूँ एवं चने को धुप में सुखाकर भंडारण करना चाहिए !

10) गेहूँ फसल उत्पादन क्षेत्रिय कृषि अनुसंधान के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन अनुसार करना उचित होगा !

11) उपरोक्त जानकारी कंपनी व कृषि वैज्ञानिकों के अनुसंधान के अनुभवों पर आधारित है ! समस्त अनुकूल परिस्थितियों में !

12) चने की बुवाई का अक्टुबर का प्रथम सप्ताह सर्वोत्तम होता है !

13) चने की अच्छी पैदावार के लिए 20 किलो नाइट्रोजन और 40 किलो फास्फोरस प्रति हेक्ट.खेतों में मिलाये !

नोट -: बुवाई करने से पहले थैली में रखी हुई विष (थायरम) बीज को उपचारित करें !
सूचना -: इस कार्यमाला में दी गई जानकारियाँ कंपनी के अनुसंधान केंद्र के अनुभवों पर आधारित है ! मौसम तथा भूमि के बदलाव से इसमें फर्क आना संभव है जिस पर हमारा नियंत्रण नहीं है !